प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
पंतनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

सामुदायिक विज्ञान इकाई द्वारा सात–दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन

विश्वविद्यालय के सामुदायिक विज्ञान इकाई द्वारा 'महिला सशक्तिकाणः ग्रामीण महिलाओं के लिए स्वरोजगार की ओर एक कदम' विषय पर सात–दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम चकफेरी कालोनी में आरम्भ किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय द्वारा 10–16 फरवरी तक किया जायेगा। प्रशिक्षण का उददेश्य ग्रामीण महिलाओं को स्वरोजगार द्वारा आत्मनिर्भर बनने की ओर अग्रसर करना है।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अधिष्ठात्री, सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय डा. अल्का गोयल थी। इस सात–दिवसीय विशेष शिविर के प्रथम दिन का शीर्षक 'ग्रामीण महिलाओं के आर्थिक उत्थान हेतु कुटीर उद्योग' था। कुटीर अथवा लघु उद्योग लघु स्तर पर उत्पादन का एक प्रकार है जो अत्यन्त कम वित्त द्वारा आरम्भ किया जा सकता है। भारत के सकल घरेलु उत्पाद में कुटीर उद्योग का योगदान 30 प्रतिशत तक रहा है। भारत के प्रसिद्ध कुटीर उद्योग लिज्जत पापड़ की शुरूआत मुम्बई के गिरगाँव में रहने वाली सात गुजराती गृहणियों द्वारा की गयीं। कुटीर उद्योग महिलाओं को आर्थिक सहायता प्रदान करने के लिए महत्वपूर्ण माध्यम है जो उन्हें समृद्धि की ओर अग्रसर करता है।

इस अवसर पर डा. अल्का गोयल ने प्रशिक्षणार्थियों को धागा निर्माण, खादी कुटीर उद्योग द्वारा आय अर्जन के बारे में अवगत कराया। डा. सोनू रानी ने महिलाओं को विभिन्न प्रकार के कुटीर उद्योगों जैसे अचार, जैम, जेली, मिट्टी के बर्तन, मोमबत्ती बनाना, पापड़ बनाना, कशीदाकारी (इम्ब्राइडरी), मसाला बनाना, आदि के बारे में बताया। डा. प्रतिभा एवं डा. प्रणीता सिंह ने महिलाओं को क्रमशः किचन गार्डन एवं पशुपालन द्वारा स्वरोजगार के अवसरों के बारे में बताया। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयं सेवकों ने चकफेरी कालोनी एवं विश्वविद्यालय परिसर में रैली निकाली एवं नारे लगाकर महिला सशक्तिकरण एवं उनके आर्थिक उत्थान के बारे में जागरूक किया। डा. अल्का गोयल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए सराहना की।

विशेष शिविर में प्रशिक्षण कार्यक्रम की जानकारी देते अधिकारीगण।

निदेशक संचार